गुजरात में चीनी मिलों के बन्द होने के संबंध में समीक्षा किया जाना

7656. श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल: क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुजरात की उन चीनी मिलों की समीक्षा की हैं जो या तो बन्द हो गई है या बन्द होने के कगार पर हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या राज्य में चीनी मिलों के बेहतर प्रबंधन के लिए संसद सदस्यों से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) इन मिलों को बन्द होने के कारण उत्पादन के रूप में कितना घाटा हुआ है ?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) तथा (घ) हाल ही में मंत्रालय में इस तरह का कोई अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुआ है ।

(ङ) उत्पादन के संबंध में घाटे का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता क्योंकि उत्पादन कई कारणों जैसे–गन्ने की उपलब्धता, प्लांट तथा मशीनरी की दशा, प्रबंधकीय कौशल आदि पर निर्भर करता है ।

चीनी के उत्पादन हेतु लक्ष्य

7657. श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल : क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अक्तूबर, 1994 से आरंभ हुए फसल मौसम में चीनी के उत्पादन के लिए निर्धारित लक्ष्य के बारे में खाद्य मंत्रालय तथा नागरिक आपूर्ति मंत्रालय के बीच मतभेद था ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या उक्त मतभेद के कारण चीनी के मूल्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है;

(घ) मतभेदों के बारे में दोनों मंत्रालयों द्वारा क्या कारण बताए गए तथा चीनी के उत्पादन और वितरण पर इसका क्या प्रभाव पड़ा; और

(ङ) चीनी की कमी को समाप्त करने हेतु सरकार द्वारा बनाई गई नीति का ब्यौरा क्या है ?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) वर्तमान अनुभार के अनुसार चालू चीनी मौसम 1994–95 (अक्तूबर 1994 से सितम्बर 1995 तक) चीनी उत्पादन 143.00 लाख टन होने की आशा है । अंतः पूर्वाशिष्ट स्टाक तथा दिसम्बर 1994 तक पहले ही आयात की गई आयातित चीनी के स्टाक सहित चीनी उत्पादन के स्तर के साथ 1994–95 मौसम के दौरान देश की घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए चीनी की पर्याप्त उपलब्धता रहेगी ।

चीनी के नए कारखाने स्थापित किया जाना

7658. चौधरी हरमोहन सिंह :
श्री ईश दत्त यादव :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने चीनी के 25 नए कारखाने स्थापित किए हैं अथवा स्थापित करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो उनका राज्य-वार ब्यौरा क्या है तथा वे किन-किन क्षेत्रों में हैं; और